BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

February, 2021

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-007 : ETHICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. **1** and **2** should be in about 400 words each.*

1. Define Ethics. Explain nature, scope and importance of studying ethics. *20*

OR

Give an account of the ethical teachings of Swami Vivekananda. *20*

2. Explain the meaning of the term Virtue. Examine the concept of Virtue according to Socrates, Plato and Aristotle. *20*

OR

Examine the nature of violence and analyse its causes. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) Define natural law and bring out the criticisms against it. *10*

(b) Explain briefly the types and methods of abortion. *10*

(c) Examine the importance of Aristotelian Ethics. *10*

(d) Discuss the relevance of ethics of Mahatma Gandhi. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Highlight the nature of Utilitarianism. *5*

(b) Give a brief account of Kantian ethics. *5*

(c) What is a Vice ? Mention the seven deadly vices according to Christianity. *5*

(d) Distinguish between Determinism and Indeterminism. *5*

(e) Briefly explain the ethical implications of euthanasia. *5*

(f) Bring out the importance of ethics in the great epics of Ramayana and Mahabharata. *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Eustress *4*

(b) Proposals to overcome violence *4*

(c) Virtues in Islam *4*

(d) Natural law and Human dignity *4*

(e) Ethics in Jainism *4*

(f) Social and Political ethics *4*

(g) Pythagorean ethics *4*

(h) Hedonistic Calculus *4*

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
फरवरी, 2021

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र
बी.पी.वाई.-007 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए ।*

1. नीतिशास्त्र को परिभाषित कीजिए । नीतिशास्त्र के अध्ययन की प्रकृति, विषय-क्षेत्र और महत्त्व की व्याख्या कीजिए । *20*

अथवा

स्वामी विवेकानन्द की नैतिक शिक्षाओं का विवरण दीजिए । *20*

2. सद्‌गुण पद के अर्थ की व्याख्या कीजिए । सुकरात, प्लेटो और अरस्तू के अनुसार सद्‌गुण के प्रत्यय का परीक्षण कीजिए । *20*

अथवा

हिंसा की प्रकृति का परीक्षण और इसके कारणों का विश्लेषण कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) प्राकृतिक नियम को परिभाषित करते हुए इसकी आलोचना पर प्रकाश डालिए । *10*

(ख) गर्भपात के प्रकारों और तरीकों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए । *10*

(ग) अरस्तू के नीतिशास्त्र के महत्त्व का परीक्षण कीजिए । *10*

(घ) महात्मा गाँधी के नीतिशास्त्र की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) उपयोगितावाद की प्रकृति पर प्रकाश डालिए । *5*

(ख) कांट के नीतिशास्त्र का संक्षिप्त विवरण दीजिए । *5*

(ग) अवगुण क्या है ? ईसाई धर्म के अनुसार सात घातक अवगुणों को बताइए । *5*

(घ) निर्धारणवाद तथा अनिर्धारणवाद के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए । *5*

(ङ) इच्छा-मृत्यु के नैतिक निहितार्थों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए । *5*

(च) रामायण और महाभारत महाकाव्यों में वर्णित नीतिशास्त्र के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए । *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सकारात्मक तनाव *4*

(ख) हिंसा को नियन्त्रित करने वाले प्रस्ताव *4*

(ग) इस्लाम में सद्गुण *4*

(घ) प्राकृतिक नियम और मानव गरिमा *4*

(ङ) जैन धर्म में नीतिशास्त्र *4*

(च) सामाजिक एवं राजनीतिक नीतिशास्त्र *4*

(छ) पाइथागोरस का नीतिशास्त्र *4*

(ज) सुखवादी कलन *4*